पत्र सूचना शाखा

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग उ०प्र०

(राज्यपाल सूचना परिसर)

राज्यपाल ने सिद्धार्थनगर में आंगनबाड़ी केंद्रों को सशक्त बनाने के लिए आंगनबाड़ी संसाधन किट का वितरण किया

आंगनबाड़ी केंद्र केवल शिक्षा का माध्यम नहीं हैं, बल्कि गरीब एवं वंचित वर्ग के बच्चों के पोषण और समग्र विकास का केंद्र भी हैं

बच्चे वही सीखते हैं, जो वे अपने आसपास देखते हैं, इसलिए घर का माहौल सकारात्मक और प्रेरणादायक होना चाहिए

-राज्यपाल, श्रीमती आनंदीबेन पटेल

लखनऊः 17 मार्च, 2025

प्रदेश की राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने आज सिद्धार्थनगर में आंगनबाड़ी केंद्रों को सशक्त बनाने के लिए आंगनबाड़ी संसाधन किट का वितरण किया।
इस अवसर पर अपने संबोधन में राज्यपाल जी ने आंगनबाड़ी केंद्रों और परिषदीय विद्यालयों के बच्चों द्वारा प्रस्तुत नृत्य और अभिनय की प्रशंसा करते हुए कहा कि उनके प्रदर्शन ने सभी को भावविभोर कर दिया है। उन्होंने कहा कि इन प्रतिभाशाली बच्चों को सही दिशा में आगे बढ़ाना हमारा कर्तव्य है, ताकि वे प्रधानमंत्री जी के विकसित भारत 2047 के संकल्प को साकार करने में योगदान दे सकें। इसके लिए

जरूरी है कि हर बच्चा आंगनबाड़ी केंद्रों और विद्यालयों से जुड़कर शिक्षा प्राप्त करे। राज्यपाल जी ने आंगनबाड़ी केंद्रों की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर देते हुए कहा कि ये केवल शिक्षा का माध्यम नहीं हैं, बल्कि गरीब एवं वंचित वर्ग के बच्चों के पोषण और समग्र विकास का केंद्र भी हैं। उन्होंने आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं के प्रशिक्षण की गुणवत्ता में सुधार लाने तथा प्री-स्कूल किट के प्रभावी उपयोग को प्रोत्साहित करने की आवश्यकता बताई। साथ ही, उन्होंने बाल मनोविज्ञान को बढ़ावा देने पर बल दिया, जिससे बच्चों को अनुकूल शैक्षणिक वातावरण मिल सके और उनका समग्र व्यक्तित्व विकास सुनिश्चित हो।

राज्यपाल जी ने कहा कि बच्चों के समग्र विकास के लिए आंगनबाड़ी केंद्रों पर आंगनबाड़ी किट वितरित की जा रही है, जिससे उनकी प्रारंभिक शिक्षा और सीखने की प्रक्रिया को बेहतर बनाया जा सके। अब तक प्रदेश के हजारों आंगनबाड़ी केंद्रों तक यह किट पहुंच चुकी है। राज्यपाल जी ने सभी से संकल्पबद्ध होकर कार्य करने का आह्वान किया और कहा कि बच्चों की शिक्षा और संस्कारों को मजबूत करने के लिए हमें अपने आचरण और व्यवहार को शुद्ध रखना चाहिए। उन्होंने कहा कि बच्चे वही सीखते हैं, जो वे अपने आसपास देखते हैं, इसलिए घर का माहौल सकारात्मक और प्रेरणादायक होना चाहिए। यदि परिवार का वातावरण अच्छा होगा, तो बच्चों का मानसिक और बौद्धिक विकास भी सही दिशा में होगा। उन्होंने अभिभावकों और शिक्षकों से आग्रह किया कि वे अपने आचरण से बच्चों के लिए एक आदर्श प्रस्तुत करें, जिससे उनका समग्र विकास सुनिश्चित हो सके।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री आयुष्मान योजना के तहत पात्र नागरिकों को 5 लाख तक का निःशुल्क इलाज उपलब्ध कराया जा रहा है, जिससे गरीब एवं जरूरतमंद परिवारों को बड़ी राहत मिली है। उन्होंने निक्षय मित्रों की सराहना करते हुए कहा कि टीबी मरीजों को गोद लेकर और उन्हें पोषण पोटली प्रदान कर वे सराहनीय सेवा कार्य कर रहे हैं। राज्यपाल जी ने जोर देकर कहा कि वे टीबी मरीजों के घर जाकर उन्हें जागरूक करें और उनके शीघ्र स्वस्थ होने के लिए प्रोत्साहित करें।

उन्होंने ने बताया कि प्रधानमंत्री आवास योजना और स्वामित्व योजना के अंतर्गत पात्र लाभार्थियों को घरौनी प्रमाण पत्र वितरित किए जा रहे हैं, जिससे उन्हें अपने घर व संपत्ति का स्वामित्व प्राप्त हो सके। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे योजनाओं का क्रियान्वयन पूरी पारदर्शिता और नियमों के अनुसार करें। यदि कहीं कोई त्रुटि हो तो उसे तुरंत सुधारें और पात्र लाभार्थियों को योजनाओं का लाभ सुनिश्चित कराने हेतु विशेष अभियान चलाएं। जनसेवा का अवसर प्राप्त हुआ है, इसलिए इसे पूर्ण निष्ठा के साथ निभाएं। उन्होंने राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत 0-5 वर्ष के बच्चों को मातृभाषा में शिक्षित करने के महत्व को रेखांकित किया और आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों को उनके योगदान के लिए बधाई दी।

राज्यपाल जी ने आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों को किट दिया। प्रधानमंत्री आयुष्मान भारत योजना के 10 लाभार्थी को कार्ड, प्रधानमंत्री टी.वी. मुक्त अभियान के अन्तर्गत 10 लाभार्थियों को पोषण पोटली 10 निक्षय मित्रों को प्रमाण-पत्र ग्रामीण आवास अभिलेख (घरौनी) 10 लाभार्थियों को प्रमाण-पत्र तथा प्रधानमंत्री आवास ग्रामीण के 10 लाभार्थियों को सांकेतिक चाभी दिया।

कार्यक्रम में शिवपति इन्टर कालेज की छात्राओं द्वारा स्वागत गीत एवं कपिलवस्तु गीत प्रस्तुत किया गया तथा आंगनबाड़ी केंद्र रमवापुर, बर्डपुर नं0-7 के बच्चों द्वारा कविता एवं गिनती आदि सुनाया गया। इसके पश्चात स्नातक की छात्रा कलावती द्वारा दहेज प्रथा एव स्नातक के छात्र सर्वज्ञ गौड द्वारा विकसित भारत पर अपने विचार प्रस्तुत किये गये।

जिलाधिकारी डा० राजा गणपति आय ने मा० राज्यपाल उत्तर प्रदेश श्रीमती आनन्दी बेन पटेल का स्वागत करते हुए बताया कि 29 दिसम्बर 1988 को जनपद का गठन हुआ है। जनपद सिद्धार्थनगर मे 14 विकास खण्ड, 05 तहसील, 02 नगर पालिका परिषद एवं 9 नगर पंचायत स्थित है। वर्ष 2011 की जनगणना के अनुसार सिद्धार्थनगर की कुल जनसंख्या 2559 लाख है। सीएसआर योजनान्तर्गत संयुक्त चिकित्सालय में ट्रामा सेंटर संचालित किया गया। जनपद अंतर्गत सभी सामुदायिक

स्वास्थ्य केंद्र पर शिशु मृत्यु दर में कमी लाने हेतु न्यू बोर्न स्टेबिलाइजेशन यूनिट को पूर्ण रूप से क्रियाशील करते हुए नवजात का उपचार प्रारम्भ किया चुका है। मातृ मृत्यु एवं शिशु मृत्यु में कमी लाने हेतु जिला प्रशासन द्वारा अभिनव प्रयोग के रूप में प्रत्येक ब्लाक स्तरीय चिकित्सा इकाई, मेडिकल कालेज एवं मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय में वार रूम की स्थापना करते हुए दक्ष स्टाफ की तैनाती करते हुए 24-7 के रूप में क्रियाशील किया जा चुका है जिससे सभी गर्भवती माताओं एवं बच्चों की निगरानी एवं उपचार किया जा रहा है। जिला प्रशासन स्तर से पहल करते हुए जनपद के कुल 11 सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र को अतिरिक्त बजट के माध्यम से कायाकल्प/सुसज्जित किया जा रहा है। जनपद अंर्तगत अब तक कुल चिन्हित 3 अतिजर्जर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (नौगढ़ भनवापुर एवं डुमरियागंज) को ध्वस्तीकरण करते हुए अतिरिक्त धनराशि आवन्टित कर नवीन भवन का निर्माण किया जा रहा है। मनरेगा योजनान्तर्गत जनपद में कुल 100 आगनबाडी केन्द्रों का कन्र्वजेन्स के माध्यम से कायाकल्प कराया जा रहा है। 64 आंगनबाडी केन्द्रों पर कार्य पूर्ण करा लिया गया है शेष पर कार्य प्रगति पर है। एक जनपद एक उत्पाद के रूप में चयनित काला नमक चावल के उत्पादन हेतु काला नमक राईस एक्सपोर्ट डेवलपमेन्ट फाउण्डेशन का गठन किया गया है। जनपद में काला नमक चावल उत्पादन को बढ़ावा देने हेतु 22 से 23 दिसम्बर 2024 की अवधि में केता- विक्रेता सम्मेलन का आयोजन किया गया। जिसमें देश-विदेश के प्रतिनिधियो सहित 350 से अधिक खरीदार और कृषक समुदाय द्वारा प्रतिभाग किया गया। मत्स्य उत्पादन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से सिद्धार्थ फिशरीज डेवलेपमेन्ट फाउण्डेशन सिद्धार्थनगर का गठन किया गया। मत्स्य पालकों को बिक्री हेतु ग्राम मधवापुर वि०ख०- बढ़नी मत्स्य मण्डी का निर्माण शासन द्वारा स्वीकृत किया गया। प्रधानमंत्री मत्स्य सम्पदा योजना के अंतर्गत भारत सरकार द्वारा जनपद सिद्धार्थनगर को पंगेसियस कलस्टर के रूप में चयनित किया गया है। कपिलवस्तु में स्थित पिपरहवा स्तूप पर लाइट एड साउंड शो कार्यक्रम का संचालन की स्वीकृति सी०एस०आर० के अन्तर्गत

प्राप्त हुई है। जनपद के रमणीय जलाशयों को सागर गाला सर्किट के अन्तर्गत विकसित किये जाने हेतु लगभग रू0 60 करोड़ का प्रस्ताव स्वीकृति हेतु उच्च स्तर पर प्रेषित किया गया है। बांसी तहसील में स्थित डहरताल पर फ्लोटिंग रेस्टोरेंट एवं स्टीमर नाव का संचालन कर पर्यटन को बढ़ावा दिए जाने का कार्य किया जा रहा है जिससे कि जनपद में देसी विदेशी पर्यटकों के आवागमन में वृद्धि होने के साथ ही स्थानीय स्तर पर भी लोगो को रोजगार प्राप्त होगा जो कि जनपद का एक उल्लेखनीय कार्य है। मनरेगा कन्वर्जेन्स द्वारा जनपद में कुल 14 विकास खण्डों में 12 ग्रामीण पार्क का निर्माण कार्य किया जा रहा है। जनपद में कुल 1136 ग्राम पंचायत है। जिसके सापेक्ष 70 ग्राम पंचायतों में ओपेन जिम का कार्य पूर्ण एवं संचालित है। मनरेगा कन्वर्जेन्स द्वारा जनपद में महात्मा गांधी नरेगा योजनान्तर्गत 14 विकास खण्डों में 12 मिनी स्टेडियम का निर्माण कराया जा रहा है। मनरेगा योजनान्तर्गत जनपद में फेज 1 में कुल 75 अन्नपूर्णा भवन (राशन की दुकान) लक्ष्य के सापेक्ष 68 पूर्ण एवं संचालित हो गए है। मनरेगा योजनान्तर्गत जनपद में फेज 2 में कुल 511 अन्नपूर्णा भवन (राशन की दुकान) लक्ष्य के सापेक्ष 272 स्थल का चयन कर कार्य प्रारम्भ करा दिया गया है। जिलाधिकारी ने कहा कि जिला प्रशासन जनपद के विकास के लिए हमेशा कार्य करेगा।

जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती शीतल सिंह द्वारा मा० राज्यपाल महोदया को बुद्ध प्रतिमा भेंट किया गया। जिलाधिकारी द्वारा मा० राज्यपाल महोदया को काला नमक चावल किट भेट किया गया।

इस अवसर पर विधायक कपिलवस्तु श्री श्यामधनी राही. जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती शीतल सिंह कुलपति सिद्धार्थ विश्वविद्यालय कपिलवस्तु प्रो० कविता शाह, जिलाधिकारी डा० राजा गणपति आर०, पुलिस अधीक्षक डा० अभिषेक महाजन, मुख्य विकास अधिकारी श्री जयेन्द्र कुमार अतिरिक्त मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा० रजत कुमार चौरसिया, अपर जिलाधिकारी (वि०/रा०) गौरव कुमार श्रीवास्तव अपर पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थ, समस्त उपजिलाधिकारी, समस्त क्षेत्राधिकारी आंगनबाड़ी कार्यकत्री

आशा व अन्य सम्बन्धित अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित थे।

डॉ0 संगीता चौधरी,
सूचना अधिकारी, राजभवन
मो0: 9161668080

(मा. राज्यपाल, उत्तर प्रदेश)
आंगनबाड़ी संसाधन किट वितरण
दिनांक :17 मार्च 2025, सोमवार

आंगनबाड़ी संसाधन किट